**भारत सरकार**
**संस्कृति मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या: 1127**
**उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 02 दिसंबर, 2024**
**11 अग्रहायण, 1946 (शक)**

**गौतमेश्वर मंदिर का परिरक्षण और संरक्षण**

**1127. श्री वामसि कृष्णा गद्दाम:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) काकतीय राजवंश के दौरान निर्मित ऐतिहासिक महत्व के गौतमेश्वर मंदिर तथा मंथनी में स्थित अन्य समान विरासत स्थलों के परिरक्षण और संरक्षण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने जीर्णोद्धार के लिए धनराशि आवंटित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा जीर्णोद्धार कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से मंथनी की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए आदि शंकराचार्य और काकतीय काल के मंदिर की यात्रा जैसी कोई पहल की है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने मंथनी को विरासत स्थल के रूप में बढ़ावा देने पर केन्द्रित कोई पर्यटन अभियान या सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन स्थलों के संरक्षण में स्थानीय समुदाय को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है, जिसमें स्थानीय लोगों को गाइड या संरक्षण विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण देना भी शामिल है?

**उत्तर**
**संस्कृति और पर्यटन मंत्री**
**( श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) : काकतीय राजवंश के दौरान मंथनी में निर्मित गौतमेश्वर मंदिर और इसी प्रकार के अन्य धरोहर स्थल तेलंगाना धरोहर विभाग के संरक्षित स्मारक हैं ।

(ख) से (ङ): भारत सरकार द्वारा मंथनी की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के पुनरुद्धार और परिरक्षण के लिए कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई है । इस संबंध में तेलंगाना सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

*****